CEDSI
CENTRE OF EXCELLENCE FOR DAIRY SKILLS IN INDIA

+91 7428706078
info@cedsi.in

CEDSI TIMES

Your Skilling Partner...

अलप्पुझा में जिला डेयरी किसानों की बैठक 16 दिसंबर से शुरू होगी

अलप्पुझा में 16 दिसंबर से शुरू होने वाली दो दिवसीय जिला डेयरी किसानों की बैठक का आयोजन ग्रीगोरियन कन्वेंशन सेंटर, पुन्नाप्रा में किया जाएगा। इस कार्यक्रम का उद्घाटन पशु पालन और डेयरी विकास मंत्री ज. चिचुरानी सुबह 10:30 बजे करेंगे। इस बैठक का आयोजन पुन्नाप्रा मिल्क प्रोड्यूसर्स कोऑपरेटिव सोसाइटी द्वारा किया गया है, जिसका उद्देश्य डेयरी किसानों को एकत्रित करना, उनके अनुभवों को साझा करना और क्षेत्र में उत्कृष्टता का सम्मान करना है।

उद्घाटन सत्र के दौरान, मत्स्य मंत्री साजी चेरीयन जिले के सर्वोत्तम डेयरी किसानों को सम्मानित करेंगे। इस बैठक में डेयरी विकास पर एक सेमिनार, कार्यशालाएँ, एक प्रदर्शनी, डेयरी क्विज़ प्रतियोगिता और सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे, जो सहभागियों के बीच सीखने और सहयोग की भावना को बढ़ावा देंगे।

बैठक का समापन 17 दिसंबर को दोपहर 12 बजे एक समापन समारोह के साथ होगा, जिसका उद्घाटन कृषि मंत्री पी. प्रसाद करेंगे। यह बैठक जिले की डेयरी क्षेत्र को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

उत्तर प्रदेश डेयरी उद्योग को बढ़ावा देने के लिए दो नए पशु चिकित्सा कॉलेजों की स्थापना करेगा

दूध उत्पादन को बढ़ावा देने और नस्ल सुधार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से, उत्तर प्रदेश सरकार ने गोरखपुर और भदोही में दो पशु चिकित्सा कॉलेजों की स्थापना की घोषणा की है। ये संस्थान उत्तर प्रदेश, बिहार और नेपाल के डेयरी किसानों की सेवा करेंगे, जिसमें पूर्वांचल क्षेत्र मुख्य लाभार्थी होगा। इस कदम का उद्देश्य स्थानीय किसानों द्वारा सामना की जा रही समस्याओं को हल करना है, विशेष रूप से पशुओं में कुपोषण के कारण दूध उत्पादन में गिरावट, जिसे उत्तर प्रदेश पशुधन विकास बोर्ड द्वारा किए गए एक अध्ययन में पहचाना गया था।

सरकार ने चरागाहों से अतिक्रमण हटाने के लिए एक व्यापक अभियान भी शुरू किया है, जिससे गायों के लिए पर्याप्त घासभूमि सुनिश्चित की जा सके। इस पहल से पशु स्वास्थ्य और उत्पादकता में सुधार होने की उम्मीद है, जिससे दूध उत्पादन को और बढ़ावा मिलेगा, एक क्षेत्र में जिसमें उत्तर प्रदेश देश के कुल उत्पादन में 16% योगदान करता है।

दोनों पशु चिकित्सा कॉलेजों को मथुरा स्थित डीयूवीएएसयू से संबद्ध किया जाएगा। गोरखपुर का कॉलेज 80 एकड़ भूमि पर 228 करोड़ रुपये की प्रारंभिक निवेश राशि के साथ स्थापित किया जाएगा, जबकि भदोही कॉलेज 15 एकड़ भूमि पर 50 करोड़ रुपये के आवंटन के साथ स्थापित होगा।

उत्तर प्रदेश डेयरी उद्योग को बढ़ावा देने के लिए दो नए पशु चिकित्सा कॉलेजों की स्थापना करेगा

दूध उत्पादन को बढ़ावा देने और नस्ल सुधार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से, उत्तर प्रदेश सरकार ने गोरखपुर और भदोही में दो पशु चिकित्सा कॉलेजों की स्थापना की घोषणा की है। ये संस्थान उत्तर प्रदेश, बिहार और नेपाल के डेयरी किसानों की सेवा करेंगे, जिसमें पूर्वांचल क्षेत्र मुख्य लाभार्थी होगा। इस कदम का उद्देश्य स्थानीय किसानों द्वारा सामना की जा रही समस्याओं को हल करना है, विशेष रूप से पशुओं में कुपोषण के कारण दूध उत्पादन में गिरावट, जिसे उत्तर प्रदेश पशुधन विकास बोर्ड द्वारा किए गए एक अध्ययन में पहचाना गया था।

सरकार ने चरागाहों से अतिक्रमण हटाने के लिए एक व्यापक अभियान भी शुरू किया है, जिससे गायों के लिए पर्याप्त घासभूमि सुनिश्चित की जा सके। इस पहल से पशु स्वास्थ्य और उत्पादकता में सुधार होने की उम्मीद है, जिससे दूध उत्पादन को और बढ़ावा मिलेगा, एक क्षेत्र में जिसमें उत्तर प्रदेश देश के कुल उत्पादन में 16% योगदान करता है।

दोनों पशु चिकित्सा कॉलेजों को मथुरा स्थित डीयूवीएएसयू से संबद्ध किया जाएगा। गोरखपुर का कॉलेज 80 एकड़ भूमि पर 228 करोड़ रुपये की प्रारंभिक निवेश राशि के साथ स्थापित किया जाएगा, जबकि भदोही कॉलेज 15 एकड़ भूमि पर 50 करोड़ रुपये के आवंटन के साथ स्थापित होगा।

झारखंड ने किसानों की आय बढ़ाने के लिए दूध प्रोत्साहन में वृद्धि की

दूध उत्पादन को प्रोत्साहित करने और किसानों की आय बढ़ाने के उद्देश्य से, झारखंड की नवनियुक्त कृषि, पशुपालन और सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने दूध उत्पादकों के लिए प्रोत्साहन में 2 रुपये प्रति लीटर की वृद्धि की घोषणा की। यह कदम सोमवार को घोषित किया गया और इसका उद्देश्य राज्य के डेयरी किसानों को बेहतर वित्तीय सहायता प्रदान करना है।

वर्तमान में, झारखंड मिल्क फेडरेशन (JMF) से जुड़े दूध उत्पादक, जो मेधा ब्रांड के तहत दूध और संबंधित उत्पादों को प्रोसेस करते हैं, को 3 रुपये प्रति लीटर प्रोत्साहन मिलता है। अब इस नई घोषणा के बाद, यह प्रोत्साहन 2024-25 वित्तीय वर्ष से बढ़कर 5 रुपये प्रति लीटर हो जाएगा। इस निर्णय को पहले ही राज्य मंत्रिमंडल द्वारा मंजूरी दी जा चुकी है।

मंत्री तिर्की ने अबू बकर सिद्दीकी, विभागीय सचिव, और अन्य अधिकारियों के साथ बैठक के बाद कहा कि प्रोत्साहन में वृद्धि राज्य के डेयरी क्षेत्र को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मंत्री ने यह भी बताया कि उन्होंने विभागीय समीक्षाएं शुरू कर दी हैं ताकि विभिन्न योजनाओं की स्थिति और उनके कार्यान्वयन का मूल्यांकन किया जा सके, और अधिकारियों को किसानों की भलाई और समग्र कृषि क्षेत्र के उत्थान के लिए सक्रिय रूप से काम करने का निर्देश दिया है। यह पहल झारखंड के डेयरी उद्योग को महत्वपूर्ण समर्थन प्रदान करेगी और दूध उत्पादकों को वित्तीय राहत प्रदान करेगी।

केरल ने मवेशियों के लिए व्यापक बीमा योजना की शुरुआत की

केरल सरकार मवेशियों की पूरी आबादी को वित्तीय सुरक्षा प्रदान करने के लिए एक क्रांतिकारी बीमा योजना शुरू करने जा रही है। इस घोषणा को राज्य के डेयरी विकास और पशुपालन मंत्री जे. चिनचुरानी ने किया, जिन्होंने राज्य सरकार की डेयरी किसानों के कल्याण को सुधारने की प्रतिबद्धता को उजागर किया।

इस नई पहल के तहत, राज्य डेयरी किसानों के लिए महज 10 रुपये के नाममात्र प्रीमियम पर जीवन बीमा प्रदान करेगा। यह योजना मिल्मा के मलबार यूनियन द्वारा शुरू की जाएगी, और इसमें राज्य की पूरी मवेशी आबादी को कवर किया जाएगा, ताकि किसानों को अप्रत्याशित घटनाओं जैसे दुर्घटनाओं, बीमारियों या प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित उनके मवेशियों के लिए मुआवजा मिल सके।

बीमा योजना के अतिरिक्त, केरल सरकार दूध उत्पादन को बढ़ाने के लिए भी योजनाओं की शुरुआत कर रही है। इन पहलों में दुधारू गायों को उच्च उत्पादन देने वाली गायों में परिवर्तित करने पर ध्यान केंद्रित किया गया है, जिससे राज्य में दूध की कुल पैदावार में वृद्धि होगी। यह बहुआयामी दृष्टिकोण डेयरी किसानों द्वारा सामना की जा रही समस्याओं, जैसे मवेशियों के स्वास्थ्य और उत्पादकता, को हल करने के साथ-साथ उनकी वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करेगा।
सरकार की इस बीमा योजना को लागू करने की योजना डेयरी क्षेत्र को मजबूत करने और किसानों के जीवन यापन को बेहतर बनाने के प्रयासों को दर्शाती है। इन उपायों के साथ, केरल डेयरी उद्योग के लिए एक अधिक सुरक्षित और टिकाऊ वातावरण बनाने का लक्ष्य रखता है, ताकि बढ़ती चुनौतियों का सामना करने के लिए किसानों को आवश्यक समर्थन मिल सके।

बानस डेयरी के अध्यक्ष शंकर चौधरी को प्रतिष्ठित लक्ष्मणराव इनामदार पुरस्कार प्राप्त

लक्ष्मणराव इनामदार पुरस्कार, जो भारत के श्वेत क्रांति में उत्कृष्ट योगदान के लिए दिया जाता है, बानस डेयरी के अध्यक्ष और गुजरात विधान सभा के अध्यक्ष शंकर चौधरी को प्रदान किया गया। यह पुरस्कार सहकार भारती के 8वें राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में अमृतसर में दिया गया।

अपने संबोधन में चौधरी ने पुरस्कार प्राप्त करने पर अपार गर्व व्यक्त करते हुए कहा, "यह सम्मान केवल मेरे लिए नहीं है, बल्कि बानस डेयरी से जुड़े लाखों मवेशी किसानों के लिए है। यह पहचान बानस के चरवाहों की है, और यह हमें अपनी मेहनत को और अधिक समर्पण के साथ जारी रखने के लिए प्रेरित करेगा।" उन्होंने आश्वासन दिया कि बानस डेयरी देश की कल्याण के लिए अपना योगदान जारी रखेगी।

कार्यक्रम का उद्घाटन सहकार भारती के राष्ट्रीय अध्यक्ष दिनानाथ ठाकुर और राष्ट्रीय महासचिव डॉ. उदय जोशी ने शुक्रवार को रेलवे मैदान में किया। समारोह की शुरुआत सहकार ध्वज फहराकर की गई, जिससे देशभर में सहकारी उपलब्धियों का जश्न मनाने का माहौल बना।

सम्मेलन में सहकार भारती के सहकारी मॉडल को प्रदर्शित करने वाली एक विशेष प्रदर्शनी भी आयोजित की गई। इस कार्यक्रम में 2,500 से अधिक सहकारी नेताओं ने भाग लिया, जो समाज को उठाने में सहकारी आंदोलन के महत्व को रेखांकित करता है। कार्यक्रम में तरंजीत सिंह, समाजसेवी और पूर्व भारतीय राजदूत जैसे प्रमुख हस्तियां भी उपस्थित थीं।

कृषि के साथ पशुपालन भारत की आर्थिक वृद्धि के लिए आवश्यक, शिवराज सिंह चौहान का बयान

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भारत की अर्थव्यवस्था को बढ़ाने में कृषि के साथ-साथ पशुपालन के महत्वपूर्ण योगदान पर जोर दिया, विशेष रूप से जब देश तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर बढ़ रहा है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ICAR) के राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान (NDRI) में करनाल में एक कार्यक्रम के दौरान, चौहान ने किसानों की आय बढ़ाने के लिए कृषि विविधीकरण की आवश्यकता पर बल दिया, और पारंपरिक कृषि के साथ-साथ फलों, फूलों, औषधीय पौधों, कृषि वानिकी, मधुमक्खी पालन और मत्स्य पालन को बढ़ावा देने का सुझाव दिया।

चौहान ने कृषि और डेयरी उत्पादन में नई तकनीक के उपयोग के महत्व को भी रेखांकित किया। "हमें उन्नत तकनीकों का उपयोग करके दूध उत्पादन बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए," उन्होंने कहा, और उत्पादकता बढ़ाने में अनुसंधान और नवाचार के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने NDRI के पशु क्लोनिंग, जीन संपादन और जर्मप्लाज्म विकास के क्षेत्र में अग्रणी काम की सराहना की, जो डेयरी farming को बेहतर बनाने में मदद कर रहा है।

मंत्री ने लखपति दीदी और ड्रोन दीदी जैसी महिला उद्यमियों के योगदान की भी सराहना की, जो ग्रामीण सामाजिक परिवर्तन में अग्रणी हैं। अपने दौरे के दौरान, चौहान ने डेयरी प्रौद्योगिकियों में हुए विकास को देखा और पुरस्कार विजेता किसानों और स्व सहायता समूहों के सदस्यों से बातचीत की। उन्होंने यह भी दोहराया कि डेयरी उद्योग राष्ट्रीय जीडीपी में लगभग 4.1% का योगदान करता है, और इस आंकड़े को बढ़ाने का उनका उद्देश्य है। अंत में, चौहान ने महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण पर जोर दिया और वैज्ञानिकों से इस क्षेत्र को ऊंचाई पर ले जाने के लिए गुणवत्तापूर्ण डेयरी प्रौद्योगिकियों के विकास को जारी रखने का आह्वान किया।

CEASI गतिविधियाँ

उत्तर प्रदेश में डेयरी Farming को सशक्त बनाने के लिए Upskilling कार्यक्रम

सीईडीएसआई (CEDSI), एग्रीकल्चर स्किल कौंसिल ऑफ़ इंडिया (Agriculture Skill Council of India) और उद्योग साझीदार आनंद डेयरी लिमिटेड (Ananda Dairy Ltd) के सहयोग से प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (PMKVY) के तहत RPL योजना के तहत निरंतर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर रहा है, ताकि उत्तर प्रदेश में 8,000 डेयरी किसानों और उद्यमियों को प्रशिक्षित किया जा सके। इस पहल का उद्देश्य प्रतिभागियों को डेयरी farming प्रथाओं को बेहतर बनाने, उत्पादकता को बढ़ाने और क्षेत्र के डेयरी उद्योग को सशक्त करने के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान से लैस करना है।

ये प्रशिक्षण सत्र उद्यमिता क्षमताओं को विकसित करने, स्थायी कृषि प्रथाओं को बढ़ावा देने और आत्मनिर्भर डेयरी पेशेवरों को तैयार करने पर केंद्रित हैं। स्थानीय किसानों को उन्नत कौशल से सशक्त बनाकर, यह कार्यक्रम विकास को बढ़ावा देने, आय में सुधार करने और उत्तर प्रदेश के डेयरी क्षेत्र के दीर्घकालिक विकास में योगदान करने का लक्ष्य रखता है।

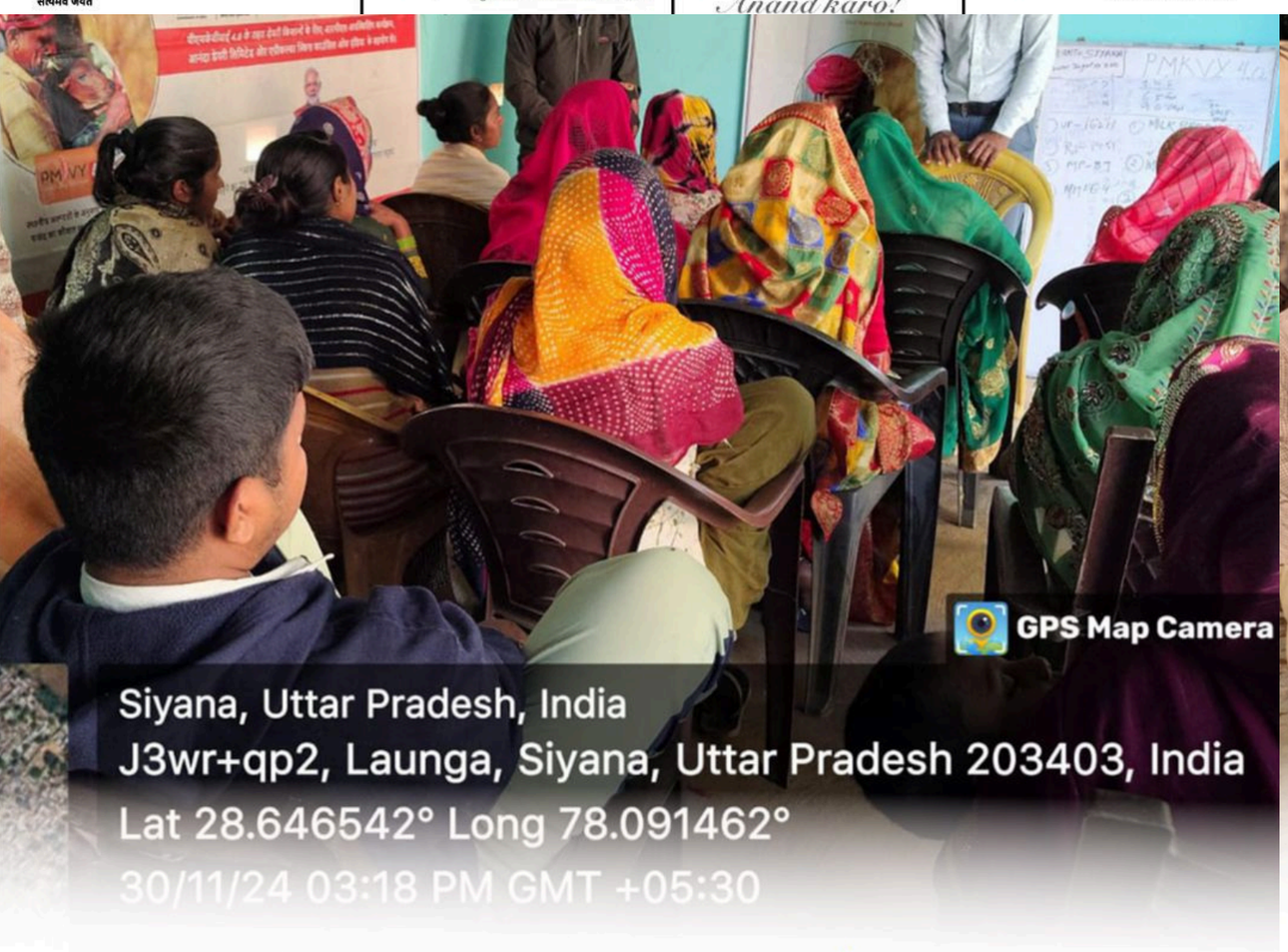

हम कौन हैं?

सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फॉर डेरी स्किल्स इन इंडिया (सीईडीएसआई) "सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फॉर एग्रीकल्चर स्किल्स इन इंडिया (सीईएएसआई)" के तहत काम कर रहा है, यह एक स्वायत्त संगठन है जो "**एग्रीकल्चर स्किल कौंसिल ऑफ़ इंडिया (ASCI)**" के तत्वावधान में काम कर रहा है। कृषि और संबद्ध क्षेत्रों के संगठित और असंगठित क्षेत्रों में लगे किसानों, वेतनभोगी श्रमिकों, स्व-रोज़गार पेशेवरों, विस्तार श्रमिकों आदि के कौशल और क्षमता निर्माण के लिए **कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई**) के तहत काम करना।

सीईएएसआई कृषि के विभिन्न उप-क्षेत्रों में उत्कृष्टता केंद्रों का एक शीर्ष संगठन है।

- सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फॉर डेरी स्किल्स इन इंडिया (सीईडीएसआई)
- सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फॉर हॉर्टिकल्चर स्किल्स इन इंडिया (सीईएचएसआई)
- सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फॉर फार्म मेकेनिज़शन स्किल्स इन इंडिया (सीईएफएमआई)

सीईडीएसआई सदस्यता उद्योग के नेताओं, नीति निर्माताओं, विकास चिकित्सकों, डेयरी वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं, छात्रों और किसानों को डेयरी उद्योग के लिए आसन्न महत्व के मुद्दों पर बहस और चर्चा करने के लिए एक अनूठा मंच प्रदान करेगी।

+91 7428706078

info@cedsi.in

www.cedsi.in Follow us on Facebook Cedsi Dairyskills Follow us on Twitter @CEDSI_India Follow us on Instagram @cedsi_india Follow us on linkedin Cedsi dairy COE

Centre of Excellence for Dairy Skills in India

Join Our Membership Drive and Get Benefits of

- Platform to interact with other members in the sector
- Networking opportunities with corporate leaders and government authorities
- Special costs of training in Skill India Certified Programmes
- Access to our Journal and Publications
- Expert advice in day-to-day operations and management of livestock /farm productions
- Free registration on the job portal and regular updates on job vacancies in the sector
- Recognize your organization with CEDSI Yearly Awards and Recognition
- Chance to reach across the board through advertising in our press releases, news and articles
- Consultative and advisory services to help members
- Consulting and advisory services to help members
- Periodic e-newsletter for the latest news, govt. announcement and schemes in dairy sectors
- Updates on training programs of CEDSI and access to the training calendar

Who Can Become a Member -

Corporates/ Cooperatives

NGO's/CSR Foundations

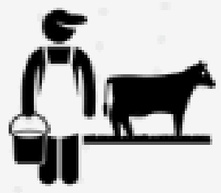

Dairy Farmers

Students

Professional

www.cedsi.in

17th July 2024

@cedsi_india

CEDSI : रविविंग स्किल्स एंड जनरेटिंग लाइवलीहुड

किसानों/छात्रों/उद्यमियों के लिए कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम

- डेयरी किसान / उद्यमी
- डेयरी फार्म पर्यवेक्षक
- डेयरी कार्यकर्ता
- पशु स्वास्थ्य कार्यकर्ता
- कृत्रिम गर्भाधान तकनीशियन
- पशु चिकित्सा क्षेत्र सहायक
- पशु चिकित्सा नैदानिक सहायक
- बछड़ा पालन
- कृषि उपकरण तकनीशियन
- डेयरी फार्म अर्थशास्त्र और प्रबंधन
- उद्योग संरेखित प्रमाणन कार्यक्रम (बेरोजगार युवा और छात्र)

एफपीओ उन्मुख प्रशिक्षण कार्यक्रम

- उत्पाद प्रौद्योगिकी और प्रक्रियाओं पर एफपीओ सदस्य अभिविन्यास।
- एफपीओ मार्केट लिंकेज
- एफपीओ शासन
- एफपीओ लेखा

डेयरी कॉरपोरेट्स और सहकारी समितियों के लिए प्रमुख कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम

- चिलिंग प्लांट तकनीशियन
- बल्क मिल्क कूलर ऑपरेटर
- ग्राम स्तरीय दुग्ध संग्रह केन्द्र पर्यवेक्षक
- दूध परीक्षक
- ग्रीन हाउस गैसों का शमन
- दूध की गुणवत्ता आश्वासन
- मिल्क डिलीवरी बॉय
- दूध खरीद और इनपुट पर्यवेक्षक
- डेयरी उद्योग में अपशिष्ट प्रबंधन
- चारा और चारा प्रबंधन
- स्वच्छ दूध उत्पादन
- निर्णय समर्थन प्रणाली / डेटा विश्लेषिकी

सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फॉर डेरी स्किल्स इन इंडिया